वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 21 | शनिवार 20 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अब बदलवाएं 2000 रुपए के नोट

आरबीआई ने 2000 रुपये के नोटों को प्रचलन से वापस लेने का फैसला किया है। इसके तहत 23 मई से 30 सितंबर 2023 के दौरान 2000 रुपये के नोटों को बैंकों में जमा या बदला जा सकता है।

2000 रुपये के करेंसी नोट को सरकार ने वापस लेने का फैसला किया है. आरबीआई ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि क्लीन नोट पॉलिसी के तहत आरबीआई ने 2000 रुपये के नोट्स सर्कुलेशन से वापस लेने का फैसला किया है. 2000 रुपये सर्कुलेशन में भले ही बंद हो लेकिन 2000 रुपये के नोट कानूनी रूप से वैध बना रहेगा. आरबीआई ने कहा है कि 30 सितंबर 2023 तक बैंकों में 2000 रुपये के नोट बदले जा सकेंगे. साथ ही बैंकों और आरबीआई के 19 रिजनल ऑफिस में 2000 रुपये के नोट को दूसरे डिनॉमिनेशन वाले करेंसी के साथ एक्सचेंज किया जा सकेगा....

जयपुर. कासं

नोटों को बदलने को लेकर लोगों को समस्या न हो, इसके लिए आरबीआई ने एक एफएक्यू जारी किया गया है। आरबीआई अधिनियम 1934 की धारा 24(1) के तहत नवंबर 2016 में 2000 रुपये के नोट जारी किए गए थे। यह मुख्य रूप से 500 और 1000 रुपये को वापस लिए जाने के बाद अर्थव्यवस्था की मुद्रा आवश्यकता को शीघ्रता से पूरा करने के उद्देश्य से जारी किए गए थे। 2000 रुपये के अधिकांश नोट मार्च 2017 से पहले जारी किए गए थे और यह 4-5 वर्ष के अपने अनुमानित जीवनकाल के अंत में हैं। यह भी देखा गया इन नोटों को आमतौर पर लेनदेन के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाता है। साथ ही लोगों की आवश्यकता के लिए अन्य मूल्यवर्ग के बैंक नोटों का पर्याप्त स्टाक बना हुआ है। इन परिस्थितियों को देखते हुए स्वच्छ नोट नीति के तहत 2000 रुपये के नोटों को संचालन से वापस लेने का फैसला लिया गया है।

स्वच्छ नोट नीति क्या है?

जनता को अच्छी गुणवत्ता वाले बैंक नोटों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने वाली आरबीआइ ने एक नीति बनाई है। इसी नीति को स्वच्छ नोट नीति कहा जाता है।

जमा करने के बाद कितना पैसा निकाल सकते हैं?

2000 रुपये के नोटों को बिना किसी प्रतिबंध बैंक खाते में जमा किया जा सकता है। इसके बाद व्यवसाय या अन्य उद्देश्य के लिए अपनी आवश्यकता के अनुसार पैसा निकाला जा सकता है।

क्या नोट बदलने के लिए कोई पैसा लगेगा?

नहीं। यह सुविधा पूरी तरह से निःशुल्क है।

यदि कोई तुरंत नोट बदल या जमा नहीं कर सकता तो क्या होगा?

पूरी प्रक्रिया को सुचारु और सुविधाजनक बनाने के लिए 2000 रुपये के नोटों को जमा करने या बदलने के लिए चार माह का समय दिया गया है। इसलिए लोग तय समय के अंदर अपने नोट खाते में जमा कर दें या बदल लें।

बैंक नोटों को बदलने या जमा करने से मना करे तो क्या करें?

यदि कोई बैंक 2000 रुपये के नोटों को जमा या बदलने से मना करे तो सबसे पहले संबंधित बैंक के पास शिकायत दर्ज कराएं। यदि 30 दिनों में बैंक शिकायत का कोई जवाब नहीं देता है या शिकायतकर्ता बैंक के जवाब से संतुष्ट नहीं है तो आरबीआई की एकीकृत लोकपाल योजना (आरबी-आइओएस) के तहत आरबीआइ के पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

नोटों को बदलने के लिए बैंक का ग्राहक होना जरूरी है?

नहीं। एक गैर-खाताधारक किसी भी बैंक शाखा में एक बार में 20 हजार रुपये मूल्य तक के नोटों को बदल सकता है।

सोनू सूद करेंगे स्टूडेंट्स से सीधा संवाद

अपेक्स यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में सूद को दी जाएगी डॉक्टरेट की मानद उपाधि

जयपुर. कांस। कोविड संकट में मसीहा बनकर जरूरतमंद लोगों की निस्वार्थ भाव से मदद करने मे प्रेरणास्पद और अमूल्य योगदान के लिए अपेक्स यूनिवर्सिटी अभिनेता सोनू सूद को अपने प्रथम दीक्षांत समारोह में डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान करने जा रही है। इस अवसर एक मुलाकात सोनू सूद के साथ कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें अपेक्स यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों से वे सीधे संवाद करेंगे। संवाद कार्यक्रम में सोनू सूद अपने निजी जीवन और फिल्मी कॅरियर, रीयल- रील लाइफ और रूचि को लेकर विद्यार्थियों से अनुभव साझा करेंगे। साथ ही वे उन्हें बेहतर कॅरियर अवसरों, शिक्षा और सेहत से जुडे.टिप्स बताएंगे। जीवन में सफलता के मंत्र बताएंगे। इस अवसर पर सिंगिंग, डांसिंग और फैशन शो जैसे इवेंट भी आयोजित होगे। यूनिवर्सिटी के चेयरमैन डॉ रवि जूनिवाल ने बताया कि कोरोना वायरस महामारी के चलते लगे लॉकडाउन में फंसे गरीबों, मजदूरों, विद्यार्थियों या कोई भी जरूरतमंद हो सभी की एक मसीहा की तरह मदद करके बालीवुड अभिनेता सोनू सूद ने देश के लाखों-करोड़ों लोगों के लिए रीयल हीरो के रूप में पहचान बना ली है। उनकी इस दरियादिली और सेवा भावना का आज हर कोई कायल है। आज देश-विदेश में वे मानवता की सच्ची सेवा की जीवंत मिसाल और प्रेरणा बन गए है। चेयरमैन डॉ जूनिवाल कहा कि ऐसे रीयल लाइफ हीरों को सम्मानित करना हमारे लिए बडे सौभाग्य की बात है और समूचे अपेक्स परिवार के लिए यह गर्व और खुशी की बात है।

मदनगंज किशनगढ़ से गये 211 श्रृदालुओं ने सिद्धों की पावन भूमि श्री सम्मेद शिखर तीर्थ पर तलहटी के विभिन्न जिनालयों के दर्शन एवं वंदना

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया। दूदू परिक्षेत्र के उरसेवा निवासी महावीर प्रसाद ,विनोद कुमार, कैलाश चंद पाटनी परिवार की अगुवाई में मदनगंज-किशनगढ़ से गये 211 तीर्थ यात्रियों ने आज सिद्धों पावन भूमि श्री सम्मेद शिखर क्षेत्र पर विराजित आर्यिका विभा श्री माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में तलहटी के विभिन्न जिनालयों की वंदना करते हुए सभी जिनालयों में श्री जी का अभिषेक, शान्ति धारा देखने के बाद श्री जी के दर्शन कर धर्म लाभ प्राप्त किया,जैन महासभा सभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि इससे पूर्व वंदना में सभी यात्री आर्यिका संघ के जयकारे लगाते हुए बेन्ड बाजों के साथ आर्यिका संघ के साथ साथ चल रहे थे, आर्यिका विभा श्री माताजी ने सभी यात्रियों को मंगलमय आशीर्वाद दिया।तथा कार्यक्रम में सायंकाल तेरापंथी कोठी में गायक कलाकार अजित पांड्या एंड पार्टी कुचामन के द्वारा विभिन्न धुनों की लहरियों के बीच ऐतिहासिक विशाल भजन संध्या एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ, यात्रा संयोजक विनोद कुमार पाटनी एवं केलास पाटनी उरसेवा ने अवगत कराया कि आर्यिका संघ के पावन सानिध्य में तेरह पंथी कोठी में कल प्रातः 8 -15भक्ति भाव से साज बाज के द्वारा कल्याण मंदिर विधान होगा।

लेकसिटी के दीपक ने पावरफुल पंचेज में बनाया विश्व कीर्तिमान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

लेकसिटी के दीपक शर्मा ने पावरफुल पंचेज में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर एक बार फिर उदयपुर शहर का नाम विश्व मानचित्र पर रोशन किया है। बता दें, दीपक शर्मा पहले भी पिस्टल शूटिंग में राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोर चुके हैं। इस बार उन्होंने पावरफुल बॉक्सिंग में सिर्फ 20 सेकंड में 106 पावरफुल पंचेज लगाकर 'इंटरनेशनल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में अपना नाम दर्ज कराया है। उनकी इस खास उपलब्धि पर असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने सर्टिफिकेट देकर सम्मानित करते बधाई दी, साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। अपनी इस कामयाबी पर दीपक ने कहा कि महज डेढ़ महीने के अभ्यास कर उन्होंने ये उपलब्धि हासिल की जिसके बाद उन्हें कंधे और कोहनी की इंजरी भी सहन करनी पड़ी।

रिपोर्ट : राकेश शर्मा 'राजदीप'

शान्तिनाथ भगवान का जन्म-तप व मोक्ष कल्याणक जनकपुरी में शान्ति धारा दिवस के रूप में मनाया गया

संस्थान की शिक्षक विदुषियों द्वारा चढ़ाया गया मुख्य निर्वाण लाडू, शाम को 48 दीपको से की गई महा अर्चना हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में भगवान के श्री चरणों में अपने समस्त दुखों की निर्वृत्ति हेतु अर्थात निर्वाण की भावना के साथ तीर्थंकर भगवान शान्तिनाथ का जन्म तप व मोक्ष कल्याण भक्ति भाव के साथ मनाया गया। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि सभी ने सुबह अभिषेक शान्ति धारा के बाद सोलहवें तीर्थंकर शान्ति नाथ की की पूजन जयकारों के साथ करते हुए बोले :- श्री शांति-जिनेशं, नुत-शक्रेशं, वृष-चक्रेशं चक्रेशं हनि अरि-चक्रेशं, हे गुनधेशं, दयाऽमृतेशं मक्रेशं।। इसके बाद रमेश साखूनिया व उपस्थित श्रेष्ठी गणों ने आचार्य मानुतुंग रचित गाथा का पाठ किया ।सभी ने निर्वाण काण्ड का वाचन कर निर्वाण अर्घ बोलते हुए जयकारों के मध्य निर्वाण लाडू चढ़ाया । मुख्य निर्वाण लाडू चढ़ाने का सोभाग्य श्रमण संस्कृति संस्थान की शिक्षक विदुषियों सेजल गरिमा दीपाली को प्राप्त हुआ। इसके बाद शिविर के छटे दिन की कक्षाओं का महावीर प्रसाद शकुंतला बिंदायक्य परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद शुभारंभ हुआ जिसमें सो से अधिक विद्यार्थियों की उपस्थिति रही, सभी को नित्य की तरह पारितोषिक व अल्पाहार दिया गया। शाम को मन्दिर जी में 48 दीपक से विदुषियों ने महादीप अर्चना करायी ।

आचार्य ज्ञानसागर महाराज का 50 वां समाधि दिवस मनाया, भव्य रथयात्रा निकली

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। दिगंबर जैन समाज की ओर से शुक्रवार को जैनाचार्य विद्यासागर महाराज के गुरु आचार्य ज्ञानसागर महाराज का 50 वां समाधि दिवस श्रद्धा व समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर स्थानीय जैन समाज की ओर से भव्य रथयात्रा निकाली गई। रथयात्रा सुभाषगंज स्थित वटवृक्ष से प्रारंभ होकर हनुमान चौक व नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई नगर के दक्षिणी छोर स्थित आचार्य ज्ञानसागर समाधि मंदिर पहुंचकर सम्पन्न हुई। रथयात्रा में देव, शास्त्र व गुरु तीनों की भव्यता के साथ तीनों रथों में नसीराबाद के मूल मंदिरों के मूलनायक प्रभु की तीन प्रतिमाएं विराजमान थी वही एरावत हाथी पर मां जिनवाणी विराजमान थी। रथयात्रा में केकड़ी का जैन महिला बैंड भी शामिल था। रथयात्रा में शामिल समाज के महिला- पुरूष व बच्चे नारे लगाते हुए चल रहे थे। रथयात्रा की समाप्ति के बाद समाधि मंदिर पर आचार्य ज्ञानसागर महाराज का पूजन किया गया। जिसमें अष्ट द्रव्यों से अर्घ्य चढ़ाये गये। इससे पूर्व गुरुवार की रात समाधि मंदिर पर आचार्य ज्ञानसागर महाराज के जीवन चरित्र संबंधित जीवन्त झांकियां प्रदर्शित की गई व महिला मंडल एवं महिला समिति के सहयोग से आचार्य ज्ञानसागर महाराज के जीवन चरित्र संबंधित नाटक का मंचन किया गया।

त्रिवेणी नगर में धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महा समिति, राजस्थान अंचल द्वारा जयपुर के विभिन्न मंदिरों 14 मई से धार्मिक शिक्षण शिविर के माध्यम से बच्चो में धार्मिक संस्कार, ज्ञान सिखाए जा रहे हैं। शिविर प्रभारी अशोक पापड़ीवाल एवं संयोजक नरेंद्र सेठी ने बताया कि त्रिवेणी नगर दिगंबर जैन समिति द्वारा संत भवन में शिविर लगाया जा रहा है। महासमिति राजस्थान अंचल के महामंत्री महावीर बाकलीवाल, कैलाश चंद जैन मैलया, विमल प्रकाश कोठारी ने शिविर का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान बच्चो से प्रश्न भी किए। इस अवसर पर मंदिर समिति के मंत्री रजनीश अजमेरा, कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा, महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती संतोष सोगानी, मंत्री श्रीमती शिमला पापडीवाल, उपाध्यक्ष श्रीमती प्रेम लता काला, वंदना अजमेरा उपस्थित थे। शिविर अध्यापिका श्रीमती साधना छाबड़ा, बबिता लुहाड़िया,एकता पांड्या एवं मीनाक्षी जैन है। प्रभावना स्वरूप बच्चो को आज उपहार दही वाला परिवार की और से बाटे गए।

वेद ज्ञान

आलोचना से नहीं बचता कोई

आलोचना से कोई भी नहीं बच सकता। जो मनुष्य जितना बड़ा होता है, उसकी आलोचनाएं भी उतनी ही बड़ी होती हैं। इसलिए आलोचना से घबराकर धैर्य नहीं खोना चाहिए। आलोचना दो प्रकार की होती है-रचनात्मक और विध्वंसात्मक। प्रत्येक मनुष्य को जीवन में किसी-न-किसी समय आलोचना का शिकार होना ही पड़ता है। आलोचक को कभी शत्रु नहीं मानना चाहिए कि वह बदनाम करने के लिए लांछन लगा रहा है। ऐसा सदैव नहीं रहता। भ्रांतियां भी कारण हो सकती हैं। घटना का उद्देश्य सही रूप से न समझ पाने पर लोग मोटा अनुमान यही लगा लेते हैं कि शत्रुतावश ऐसा कहा जा रहा है। निंदा करने वालों का इसमें घाटा ही रहता है। यदि उसकी बात सत्य है तो भी लोग चौकन्ने हो जाते हैं कि कहीं हमारा कोई भेद इसके हाथ तो नहीं लग गया जिसे यह सर्वत्र बकता फिरे। झूठी निंदा बड़ी बुरी मानी जाती है। विद्वेष उसका कारण माना जाता है। निंदा सुनकर क्रोध आना और बुरा लगना स्वाभाविक है, क्योंकि इससे स्वयं के स्वाभिमान को चोट लगती है, पर समझदार लोगों के लिए उचित है कि ऐसे अवसरों पर संयम से काम लें। आवेश में आकर विवाद न खड़ा करें। यह देखें कि ऐसा अनुमान लगाने का अवसर उसे किस घटना या कारणवश मिला। यदि उसमें व्यवहार-कुशलता संबंधी भूल रही हो तो उससे बचकर रहें। यदि बात सर्वथा मनगढंत सुनी-सुनाई है तो अवसर पाकर यह उन्हीं से पूछा जाना चाहिए कि उसने इस प्रकार गलतफहमी क्यों उत्पन्न की, एक बार कारण तो पूछ लिया होता। इतनी छोटी बात से उसका मुख भविष्य के लिए बंद हो जाएगा और यदि कही बात सत्य है तो आत्मसुधार की बात सोचनी चाहिए। आलोचना की गई बातों को सत्यता की कसौटी पर कसें। प्रायः बातें असत्य होती हैं। कभी-कभी आलोचना को स्वीकार कर लेना भी उचित होता है। यदि सत्य है तो स्वीकार करके सुधार करना चाहिए। निरर्थक आलोचना को महत्व न दें और सन्मार्ग पर बढ़ते जाएं। आलोचना की विश्वसनीयता को परखें। अनेक बार लोग केवल ईर्ष्यावश या लड़ाकर तमाशा देखने के लिए ही आलोचना करते हैं, इस पर कतई ध्यान न दें। आलोचना से स्वयं को सुधार करने का सुअवसर मिलता है।

संपादकीय

अपने अधिकारों और सीमा का खयाल रखें

ईडी पर लगाए गए आरोपों के मुताबिक राज्य के आबकारी विभाग के कई अधिकारियों को गिरफ्तारी की धमकी भी दी गई है। जांच एजंसियों का यह दायित्व होता है कि अगर कहीं से किसी गड़बड़ी की शिकायत आई है और उसकी पड़ताल करने की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है तो उसे अंजाम देते हुए वे अपने अधिकारों और सीमा का खयाल रखें। लेकिन ऐसी शिकायतें अक्सर आती हैं कि जांच के क्रम में किसी एजंसी के अधिकारियों के पेश आने का तरीका कई बार भयादोहन की तरह लगने लगता है। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के बर्ताव को लेकर आई शिकायत पर सुनवाई करते हुए इसी प्रवृत्ति पर एक अहम टिप्पणी की कि एजंसी अपना काम जरूर करे, लेकिन डर का माहौल न पैदा करे। दरअसल, मामला छत्तीसगढ़ सरकार से संबंधित है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट में यह शिकायत की गई कि दो हजार करोड़ रुपए के शराब घोटाले से जुड़े धनशोधन के आरोपों की पड़ताल करते हुए ईडी बहुत आपाधापी में काम कर रहा है और उसका मकसद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को फंसाना है। ईडी पर लगाए गए आरोपों के मुताबिक राज्य के आबकारी विभाग के कई अधिकारियों को गिरफ्तारी की धमकी भी दी गई है। किसी घोटाले की जांच के दायित्व को पूरा करना ईडी के अधिकार क्षेत्र में है, लेकिन अगर उस पर लगे आरोप सही हैं तो यह उचित तरीका नहीं है। हालांकि ईडी की ओर से अदालत को यह सफाई पेश की गई कि जांच एजंसी सिर्फ शराब घोटाले से जुड़े मामले में हुई अनियमितताओं की जांच कर रही है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत होने वाली जांच से किसी को एतराज नहीं होना चाहिए। लेकिन अगर इस क्रम में आरोपों के दायरे में आए संबंधित पक्षों के सामने भय का वातावरण बनाया जाता है, धमकी का इस्तेमाल किया जाता है तो यह अपने आप में जांच की प्रक्रिया को कठघरे में खड़ा करता है।

यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पक्ष पर अहम टिप्पणी की कि अगर जांच के क्रम में इस तरह का व्यवहार किया जाता है तो एक वास्तविक कारण भी संदिग्ध हो जाता है। कायदे से देखें तो छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले का जो स्वरूप अब तक सामने आ सका है, उसकी उचित तरीके से पड़ताल होनी चाहिए और सभी तथ्य सामने आने चाहिए, ताकि असली दोषियों को सजा के अंजाम तक पहुंचाया जा सके। ईडी का भी मकसद यही होगा। लेकिन इतने भर से किसी को अधिकारों और दायित्वों की सीमा का खयाल न रखने की छूट नहीं मिल जाती। विडंबना यह है कि इससे पहले भी ईडी की कार्यशैली को लेकर सवाल उठ चुके हैं और अदालतों की ओर से उसकी सीमा को लेकर स्पष्ट टिप्पणियां की गई हैं। इसके बावजूद अगर किसी पक्ष से ईडी पर भय पैदा करके मनमानी करने के आरोप लग रहे हैं और अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है तो इससे जांच एजंसी की साख को नुकसान ही पहुंचेगा। यों भी पिछले कुछ सालों में प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और सीबीआइ की ओर से लक्ष्य करके डाले गए छापों के बारे में यह कहा जाने लगा है कि ये एजंसियां सरकार के इशारे पर काम कर रही हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

जीवनशैली और सेहत

पिछले कुछ दशकों के दौरान जीवनशैली से जुड़े सेहत के सवालों को लेकर अनेक प्रकार के अध्ययन होते रहे हैं। किसी रोग के इलाज या उससे बचाव के क्रम में अमूमन सभी चिकित्सा पद्धतियों में यह सलाह दी जाती है कि खानपान में क्या बदलाव किया जाना चाहिए या फिर क्या खाने-पीने से बचा जाना चाहिए। इसके अलावा, बाजार में मौजूद कई उत्पादों के विज्ञापनों में यह दावा किया जाता है कि उसके उपयोग से किसी खास रोग से बचाव संभव है। सवाल है कि खाने-पीने को लेकर अनेक प्रकार के दावे करते हुए बाजार में उपलब्ध उत्पाद किसी बीमारी को दूर करने में क्या सचमुच सहायक साबित होते हैं? या फिर वे शरीर में एक नई जटिलता पैदा करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्लूएचओ ने मंगलवार को गैर-चीनी मिठास को लेकर जो नई चेतावनी जारी की है, वह वैसे लोगों के लिए सावधान हो जाने का वक्त है, जो ऐसी कृत्रिम मिठास का सेवन करते हुए यह मान कर चलते हैं कि उन्होंने शरीर में मीठे की जरूरत भी पूरी कर ली और वे चीनी से इस्तेमाल से भी बच गए। पिछले कुछ दशकों के दौरान जीवनशैली से जुड़े सेहत के सवालों को लेकर अनेक प्रकार के अध्ययन होते रहे हैं। खासतौर पर मधुमेह और हृदय रोगों को लेकर विशेष चिंता जताई जाती रही है और सबसे ज्यादा जोर खानपान में परहेज और संतुलन पर दिया जाता रहा है। इसी क्रम में मधुमेह के जोखिम के बीच कृत्रिम मिठास का विकल्प लोकप्रिय हुआ था। अब डब्लूएचओ ने शरीर के वजन को नियंत्रित करने या फिर गैर-संचारी बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आम इस्तेमाल में आ चुके मिठास पैदा करने वाले पदार्थ या गैर-चीनी मिठास को लेकर आगाह किया है। डब्लूएचओ के मुताबिक गैर-चीनी मिठास के सेवन को लेकर नया सुझाव उपलब्ध सबूतों की समीक्षा के नतीजों पर आधारित है। जिससे पता चलता है कि इसके इस्तेमाल से वयस्कों या बच्चों के शरीर का वजन कम करने में लंबे समय के दौरान कोई फायदा नहीं मिलता। बल्कि अध्ययन के नतीजों से ये तथ्य भी उजागर हुए है कि ज्यादा वक्त तक इसके इस्तेमाल से घातक असर हो सकते हैं। मसलन, टाइप-2 मधुमेह, दिल की बीमारियों का खतरा हो सकता है और इसकी वजह से वयस्कों के बीच मृत्यु-दर भी बढ़ सकती है। जाहिर है, जिस चीज का इस्तेमाल करके लोग खुद को सुरक्षित महसूस करते रहे हैं, वही उनकी सेहत को नई जटिलता में डाल सकती है। विडंबना यह है कि एक समय किसी खास वस्तु को जहां सेहत के लिए या किसी रोग से बचाव के मकसद से उपयोगी बताया जाता है, उसी को कभी जोखिम से भरा हुआ बता दिया जाता है। ऐसे में एक आम इंसान के सामने स्वाभाविक ही दुविधा खड़ी हो जाती है, जो अपनी किसी बीमारी की हालत में चिकित्सकों या चिकित्सा संबंधी सलाहों पर निर्भर रहता है। निश्चित रूप से अगर कोई प्रशिक्षित चिकित्सक सभी प्रकार की जांच करके किसी चीज के सेवन या उससे बचने की सलाह देता है तो इसका कोई आधार होता है लेकिन अगर लोकप्रिय प्रचार के दबाव में खानपान में कोई ऐसी चीज शामिल की जाती है, जिसका कोई लाभ नहीं हो, तो संभव है कि उसके दुष्परिणाम से कोई नई बीमारी जकड़ ले। ऐसे में लोगों को फल या अन्य प्राकृतिक रूप से मिठास वाले पदार्थों का विकल्प चुनना चाहिए, जो वास्तव में लाभ पहुंचा सकते हैं।

विदुषी मुस्कान दीदी ने बताया आत्मा का स्वरूप

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति श्रमण संस्कृति संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर थड़ी मार्केट मानसरोवर में धार्मिक शिक्षण शिविर का 19 मई शुक्रवार को विदुषी आयुषी दीदी एवम विदुषी मुस्कान दीदी इष्टोपदेश एवम प्रथम एवम द्वितीय भाग का अध्यन करवाया। विदुषी मुस्कान दीदी ने इष्टोपदेश में आत्मा के स्वरूप के बारे में बहुत ही सरल एवम आसानी से समझने योग्य तरीके से बताया। इसमें स्थानीय समाज के सभी सदस्यों ने तथा यहाँ के बच्चो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर का अवलोकन बालिका छात्रावास की अधिष्ठा श्रीमती शीला डोडिया एवम राजस्थान अंचल की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी जी ने किया। इस मौके पर उन्होंने बच्चो से प्रश्न भी पूछे और बच्चों को जैन धर्म के मुख्य सिद्धांत के बारे में बताया तथा बच्चो का उत्साह वर्धन भी किया। इसी मौके पर उन्होंने बहुत सारी धार्मिक बातो के साथ सामाजिक एवं व्यावहारिक बातो के बारे में भी बताया। उन्होंने रहन सहन तथा पहनावे के बारे में भी बहुत कुछ बताया। पार्श्वनाथ संभाग की अध्यक्ष श्रीमती नीता जैन एवम मंत्री श्रीमती भंवरी देवी जैन ने बताया कि शिविर में बच्चे एवम बड़े सभी बहुत ही उत्साह और जोश के साथ पढ़ रहे है। आज श्रीमती सरिता जैन, एवं श्रीमती राजकुमारी पाटनी ने सभी शिविरार्थी को पारितोषिक एवम अल्पाहार दिया।

श्रीहरि हरात्मक महायज्ञ की तैयारी को लेकर बैठक

विराटनगर. शाबाश इंडिया। महाभारत कालीन पौराणिक तीर्थ स्थल श्री पंच खंडपीठ भीम गिरी पर्वत पर 25 मई से 2 जून तक आयोजित होने वाले नव दिवसीय श्रीहरि हरात्मक महायज्ञ की तैयारी और व्यवस्था को लेकर शुक्रवार को कस्बे के रामलीला मैदान में पंचखंड पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी सोमेंद्र महाराज के सानिध्य में सर्व समाज की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में महाराज ने जानकारी देते हुए अवगत कराया कि यज्ञ मंडप का कार्य जोरों पर है, तथा यज्ञ के दौरान प्रतिष्ठा होने वाली पांडव परिवार, भगवान श्री कृष्ण, श्री श्याम जी सहित करीब एक दर्जन प्रतिमाएं तैयार हो चुकी है। बैठक में यज्ञ की व्यवस्था हेतु विभिन्न कमेटियों का गठन कर कार्यकताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। यज्ञ को लेकर विराटनगर एवं आसपास क्षेत्रों के लोगों में उत्साह बना हुआ है। यज्ञ में केंद्र के बड़े नेता एवं अनेक संत जनों के आने की संभावना है। बैठक में पूर्व चेयरमैन भागीरथ मल सैनी, वाइस चेयरमैन रामेश्वर प्रसाद यादव, यज्ञाचार्य गोपाल शुक्ला, सांवरमल शर्मा, नरेंद्र शर्मा, भागीरथ मल शर्मा, गणपत शर्मा, राजू पुजारी, सत्यनारायण पंसारी, प्रहलाद इंदोरिया, प्रतीक शर्मा ,निर्मल जैन, किशोर शर्मा, अमरनाथ यादव, मामराज सोलंकी, बंसी सैनी, मनमोहन शर्मा, देशराज सैनी, विजय छिपा, शंकर पंसारी, सहित अनेक समाजों के लोग मौजूद थे

पांच दिवसीय मर्म चिकित्सा शिविर संपन्न, 250 से ज्यादा लोगों ने जांच कराई

मनीष विधार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। श्री दिगंबर जैन महावीर विद्यासागर धर्मार्थ औषधालय नेहानगर के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय मर्म चिकित्सा योग शिविर ब्रह्मचारी सतीश भैया, ब्रह्मचारी विकास भैया के निर्देशन में संपन्न हुआ। शिविर में 250 से ज्यादा लोगों ने अपनी जांच करा कर शिविर को सफल बनाया। मनीष विद्यार्थी ने बताया की ब्रह्मचारी भैया द्वारा नाड़ी देखकर योग एवं आयुर्वेद औषधि के माध्यम से शारीरिक रोग बिना किसी साइडिफेक्ट के ठीक हो रहे हैं यह पद्धति भारतीय एवं जो व्यक्ति एलोपैथी दवाई का उपयोग नहीं करते हैं उनके लिए मददगार हैं। शिविर का संयोजन डॉ. अभय जैन, डॉ. संजय जैन ने किया। इस आयोजन में मंदिर समिति के अध्यक्ष मंत्री समेत सभी का सहयोग रहा ।

शान्तिनाथ भगवान का जन्म तप व मोक्षकल्याणक मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। सिटिजन यात्रा क्लब के संयोजक ने आज भगवान शान्तिनाथ का जन्म,तप,व मोक्षकल्याणक आमेर स्थित सांवलाजी के मंदिर में बडे भक्तिभाव से मनाया। सर्वप्रथम डॉ. मनीष जैन ''मणि'' ने सांवलाजी के मंदिर में अभिषेक व शान्तिधारा की तथा सदस्यों ने सभी अतिप्राचीन मूर्तियों के दर्शन किये । संयोजिका डॉ. शान्ति जैन ''मणि'' ने भगवान शान्तिनाथ का विधान कराया ।बाद में भगवान शान्तिनाथ की आरती की।इसके बाद क्लब के सदस्यों ने आमेर के अन्य मंदिरों चन्द्र प्रभ जी व बाहरली आमेर के भगवान नेमीनाथ के मंदिरजी के भी दर्शनों का लाभ उठाया तथा आमेर व आसपास के मंदिरों के क्लब के अन्य सदस्यों को शीघ्र दर्शन कराने की योजना बनाई । डां अलका जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नन्हें धूप से जलते पैरों को चप्पल पहनाई

गर्मी के मौसम में दु:खी, लाचार व नंगे पैर वाले बच्चों को संस्था ने चप्पलें पहनाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। कमला बाई चैरिटेबल ट्रस्ट योजना वस्त्र बैंक के माध्यम से गर्मी के मौसम की कठिनाई को देखते हुए 19 मई शुक्रवार देवपितं अमावस्या के उपलक्ष्य में गांधी पथ रोड दो सौ फीट रोड झोपड़पट्टी, अजमेर रोड़ बाईपास चौराहा, मानसरोवर मैट्रो स्टेशन बस्ती व गिरधारी पुरा कच्ची बस्ती में गरीब, लाचार बच्चों के तपती धरती पर बिना चप्पलें चलने के कष्ट को दूर करने के लिये आप के सहयोग से चप्पलें पहनाई ।चिलचिलाती गर्मी में तपी हुई सड़क पर चप्पलें पहने हुए, या गाड़ी पर चलना भी मुश्किल लगता है, और ऐसे में बहुत से बच्चों के पास, पैरों में कुछ भी पहनने के लिये नहीं है उन बच्चों को संस्था ने 385 जोड़ी चप्पलें पहनाई। इस मुहिम में संस्था के सचिव सुरेंद्र शर्मा, रमेश शर्मा, सुनील कुमार संस्था के सभी कार्यकर्ता एवं कॉलेज से इन्टर्नशिप करने आये सभी बच्चे मौजूद रहे। यह मुहिम आगे भी जारी रहेगी।

एक परिचय: महावीर इंटरनेशनल सेवा क्षेत्र का एक प्रतिष्ठित एनजीओ

नए कीर्तिमान स्थापित करने को तत्पर

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल 47 वर्षों से निरंतर कार्यरत, किसी भी धर्म, जाति, रंग, पंथ और मान्यताओं से परे, प्राणिमात्र की सेवा में समर्पित एक प्रतिष्ठित एवम विश्वसनीय नाम (NGO) है। इसका मूलभूत ध्येय है " सभी से प्रेम करो, सभी की सेवा करो" । मगर प्यार और सत्कार से। आज यह एक देश व्यापी संस्था बन गई है जो 10 रीजन, 30 जोन, 340 केंद्रों और 10000 परिवारों के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, स्किल डेवलपमेंट, नारी सशक्तिकरण, बाल विकास, रक्तदान, अंगदान, नेत्रदान, बेबी किट, सेनेटरी नेपकिन वितरण आदि को सफलता पूर्वक संचालित कर रही है।राजस्थान के जयपुर शहर में स्थित मुख्य कार्यालय द्वारा संचालित यह संस्था सभी तरह के आवश्यक पंजीकरण, योग्यताओं और साधनों से सुसज्जित हैं। कुछ विशिष्टताएं निम्नानुसार हैं:1. नीति आयोग, भारत सरकार के साथ पंजीकृत2. विदेशी योगदान के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार के साथ एफसीआरए के तहत पंजीकृत।3. सीएसआर दान के लिए कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार के साथ पंजीकृत ।4. आयकर कानूनों के तहत अनुमोदित और धारा 80 जी के तहत सभी दान को छूट दी गई है।इस बार सत्र 2023-2025 दो वर्ष के कार्यकाल के लिए संस्था ने वीर CA अनिल जैन को सर्वोच्च पद अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष पर निर्वाचित किया है। वीर CA अनिल जैन पिछले 37 वर्षों से एक प्रतिष्ठित चार्टेड एकाउंटेंट् हैं वंही समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए हैं। वीर अनिल जैन जी उचित समय पर कठोर और दूरदर्शी निर्णय लेते है नित्य नया सोचना व त्वरित निर्णय लेना उनकी योग्यता है । सहज, सरल व मिलनसार प्रवृति के धनी वीर अनिल जैन कम समय में सटीक योजना के साथ " काम कम परिणाम ज् यादा" की नीति पर कार्य करने में दक्ष हैं। उनके सशक्त नेतृत्व में यह संस्था निश्चित रूप से सेवा क्षेत्र में अपना परचम लहराते हुए वर्ष 2025 में अपने स्वर्णिम काल में प्रवेश करेगी।

महावीर इंटरनेशनल रॉयल मेगा समर कैंप का अंतिम दिवस में जबरदस्त उत्साह

अमित गोधा. शाबाश इंडिया।

ब्यावर। आज के वर्तमान युग में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न प्रकार की कला कौशल की आवश्यकता होती है।इसी को ध्यान में रखते हुये महावीर इंटरनेशनल रॉयल ब्यावर द्वारा सप्त दिवसीय मेगा समर केम्प का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों के मध्य केम्प को लेकर अति उत्साह रहा। केम्प में क्लासेस दो पारी में आयोजित की गई। प्रथम पारी सुबह 7.30से 10.30 तक जिसमें सेल्फ डिफेंस, डांस, ड्राइंग, मेहंदी एवं चाकलेट और द्वितीय पारी 10.30 से 12.30 तक म्यूजिक, इंग्लिश स्पोकन, केक मेकिंग, कैलीग्राफी, मेक अप आर्ट का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कोषाध्यक्ष अभिषेक नाहटा ने बताया कि बच्चो ने अपनी अपनी कला में बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया। आज केम्प का समापन समारोह रखा गया जिसमे संस्था के राष्ट्रीय पधाधिकारी एवम शहर के गण मान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में बच्चो को प्रमाणपत्र एवम मोमेंटो मुख्य अतिथियो द्वारा दिया जाएगा।

सिहोनियां में निर्वाण लाडू के साथ हुआ महामस्तकाभिषेक

भगवान शान्तिनाथ का जन्म, तप, मोक्ष कल्याणक मनाया गया

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। जैन अतिशय क्षेत्र सिहोनियाजी में जैन धर्म के 16वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ का के जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव शान्तिनाथ विधान, महामस्तकाभिषेक के साथ विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्दशी को श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सिहोनियाँ जी (मुरेना) मध्यप्रदेश में कामदेव चक्रवर्ती तीर्थंकर भगवान शान्तिनाथ का जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया। इस महोत्सव के अनुष्ठान प्रतिष्ठाचार्य पंडित राजेन्द्र जैन शास्त्री मगरौनी एवं संजय जैन शास्त्री सिहोनियाँ ने सम्पन्न कराएं। इस अवसर पर मुरेना की डिप्टी कलेक्टर श्रीमती बन्दना जैन विशेष रूप से उपस्थित रहीं। क्षेत्र कमेटी की ओर से श्रीमती बन्दना जैन का सम्मान किया गया। इस पावन एवं पुनीत अवसर पर लोहामंडी ग्वालियर के श्रावक श्रेष्ठि राजेशकुमार, पदमचंद, ऋषभदास, मनोजकुमार जैन कुहेले परिवार बघपुरा वालों की ओर से श्री 1008 शान्तिनाथ विधान का आयोजन किया गया है। शांतिधारा करने का सुअवसर अरविंद कुमार सौरभ जैन इटावा को प्राप्त हुआ। मोक्ष कल्याणक पर प्रथम लाडू अर्पित करने का सौभाग्य मुरेना निवासी वीरेंद्रकुमार आकाश जैन (जतवार का पुरा) को प्राप्त हुआ। श्री शान्तिनाथ, श्री कुंथनाथ, श्री अरहनाथ भगवान का महमस्तकाभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य टीकाराम हरीश जैन मुरेना, वीरेंद्रकुमार आकाश जैन मुरेना, राजेशकुमार पदम जैन ग्वालियर, अमित जैन देहरादून, विशंभरदयाल राहुल जैन ग्वालियर, पवन जैन ऋषभ जैन मुरेना को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में जैन स्वर संगम सौरभ एंड पार्टी मुरेना विशेष रूप से मौजूद थी। मांगलिक कार्यक्रमों के तहत प्रातः 07 बजे से श्री शान्तिनाथ भगवान का अभिषेक, शांतिधारा करते हुए विशेष पूजन किया गया। ततपश्चात श्री शान्तिनाथ विधान प्रारंभ हुआ। प्रातः 12 बजे निर्वाण लाडू अर्पित किया गया। इस अवसर पर 108 कलशों द्वारा भगवान शान्तिनाथ का महामस्तकाभिषेक हुआ। जैन युवा क्लब एवं सोनू मित्र मंडल द्वारा सभी आगन्तुक साधर्मी बन्धुओं के लिए भोजनादि की समुचित व्यवस्था की गई थी। सिहोनियाँ जी अतिशय क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष रविन्द्र जैन टिल्लू, उपाध्यक्ष नीलेश जैन, मंत्री विवेक जैन बंटी, कोषाध्यक्ष रवि जैन, पदमचंद जैन ग्वालियर, राकेश जैन मुरार सहित इटावा, धोलपुर, देहरादून, ग्वालियर, अम्बाह एवं मुरेना सहित अनेकों स्थानों के साधर्मी बन्धु, माता-बहिनें सैकड़ों की संख्या में उपस्थित थे।

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन जिनालय इंजीनियर्स कॉलोनी मान्यवास मानसरोवर में निर्वाण लाडू चढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन जिनालय इंजीनियर्स कॉलोनी मान्यवास मानसरोवर जयपुर में देवाधिदेव 1008 शांतिनाथ भगवान के जन्म तप मोक्ष कल्याणक पर्व पर दिनाक 18 मई को जिनालय में अतिश्यकारी शांतिनाथ भगवान के प्रातः 7.00 बजे - अभिषेक और शांतिधारा, प्रातः 7.15 बजे - शांतिनाथ विधान, प्रातः 8.15 बजे - निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। आप सभी अधिक से अधिक धर्म लाभ लेवे। सी ए मनीष जैन छाबड़ा के अनुसार इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आचार्य श्री विद्यानंद जी के अवदान पर संगोष्ठी सम्पन्न

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ के तत्वावधान में श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव कालका जी के मध्य 16 मई को आ.श्री श्रुतसागर जी एवं आ.श्री वसुनंदी जी के ससंघ सान्निध्य में राष्ट्र संत श्वेतपिच्छाचार्य विद्यानंद जी मुनिराज के अवदान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन संघ के अध्यक्ष शैलेन्द्र एडवोकेट की अध्यक्षता में हुआ। समागत अतिथियों का सम्मान अनिल पारसदास जैन व संघपति राजेन्द्र जैन ने तिलक व दुपट्टा पहनाकर किया। गोष्ठी के सारस्वत अतिथि शास्त्री परिषद् के अध्यक्ष डा.श्रेयांस कुमार एवं विद्वत्परिषद् के अध्यक्ष डा.वीरसागर थे। गोष्ठी में स्वस्ति भट्टारक श्री चारूकीर्ति जी-मूडबिद्री, डा.श्रेयास कुमार , डा.वीर सागर , डा.अनेकांत , डा.कल्पना ,डा.ज्योति जैन, डा.रीना अनामिका, श्रीमती पारुल जैन, डा.मीना जैन तथा डा.इन्दु जैन ने आचार्य श्री विद्यानंद जी के अवदान पर अपने-अपने विचार रखे। आचार्य श्रुत सागर जी व आचार्य श्री वसुनंदी जी ने अपने आशीर्वचनों में आचार्य विद्यानंद जी के अनेक संस्मरणों के माध्यम से आचार्य श्री का गुणानुवाद किया। संचालन व आभार प्रदर्शन समन्वय वाणी के सम्पादक डा.अखिल बंसल ने किया। डा.श्रेयांस कुमार ने आचार्य विद्यानंद जी के अवदान पर एक विशाल स्मृति ग्रंथ के प्रकाशन का सुझाव दिया जिसका सभी आगंतुकों ने समर्थन किया। मूडबिद्री के भट्टारक श्री चारूकीर्ति जी ने तुरंत स्मृति ग्रंथ प्रकाशन हेतु 51 हजार की राशि देने की घोषणा की।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

तीर्थंकर शांतिनाथ के कल्याणक पर संघी जी मंदिर सांगानेर में किया शांति विधान

शांति धारा की व निर्वाण लाडू चढ़ाया, गोशाला में गायों को चारा खिलाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ मित्र मंडल सांगानेर ने भगवान शांतिनाथ के जन्म तप कल्याणक पर सांगानेर स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर संघी जी में प्रातः 6 बजे से शांति विधान पूजन की। इस अवसर पर नितिन जैन, अंकित जैन , राकेश गोदिका ने शांतिधारा करने का पुण्य प्राप्त किया। मंडल के मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि पूजन विधान सुरेश - सुशीला कासलीवाल के निर्देशन में मंडल सदस्य विमल जैन, मुकेश जैन, सुनील जैन राकेश गोदिका, अशोक सेठी, अनिल जैन भक्ति भाव के साथ किया। इस पावन अवसर पर दुगार्पुरा गोशाला में गायों को चारा अशोक जैन व राकेश गोदिका ने खिलाया।

जैन धर्म के सोलहवें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ के जन्म तप व मोक्ष कल्याणक-मंदिरों में चढाया निर्वाण लाडू

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा। विश्व शांति प्रदायक जैन धर्म के सोलहवें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ के तीन कल्याणक - जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक भक्ति भाव से मनाये गये ।इस मौके पर कस्बे सहित आसपास के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये तथा मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। प्रातः शांतिनाथ भगवान के जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक किये गये ।तत्पश्चात विश्व में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए मंत्रोच्चार के साथ शांति धारा की गई । अष्ट द्रव्य से पूजा करते हुए पूजा के दौरान जन्म, तप कल्याणक के अर्घ्य चढाये गये ।तत्पश्चात निवाणोत्सव मनाया गया जिसमें निर्वाण काण्ड भाषा के वाचन पश्चात मोक्ष कल्याणक का श्लोक "असित चौदश जेठ हनें अरी। गिरीसमेदथकी शिवतिय वरी।

तीर्थ संरक्षणी महासभा जोधपुर के इकबाल अली (अधीक्षक) पुरातत्व व म्यूजियम विभाग से भेट की

जोधपुर. शाबाश इंडिया

विश्व संग्रहालय दिवस पर तीर्थ संरक्षिणी महासभा जोधपुर (राजस्थान) द्वारा जोधपुर में राजस्थान सरकार के पुरातत्व व म्यूजियम कार्यालय में तीर्थ संरक्षणी महासभा जोधपुर के पुरातत्व संयोजक संदीप जैन पांड्या, जोधपुर समाज के उपाध्यक्ष राजकुमार सेठी, पूर्व अध्यक्ष दौलत जैन कानूगा, पूर्व मंत्री दीपक जैन गोधा ने इकबाल अली (अधीक्षक) पुरातत्व व म्यूजियम विभाग जोधपुर से मिलकर पुष्पों द्वारा उनका स्वागत किया और उनकों तीर्थ संरक्षिणी महासभा की 5 पत्रिका भेंट की। जैन समाज के बारे में पत्रिका में विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंनें हमें संग्रहालय में अलग से बनाई हुई जैन गैलेरी दिखाई। पूरे संग्रहालय का अवलोकन कराया और इस क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जनकारी दी।

"स्वर्गीय डॉक्टर यशवंत जी कोठारी साहब की द्वितीय पुण्यतिथि पर संगिनी मेन द्वारा किया गया सेवा कार्य"

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप संगिनी मेन की मानद सदस्य सम्माननीय श्रीमती पुष्पा कोठारी द्वारा अपने जीवनसाथी स्वर्गीय डॉक्टर यशवंत जी कोठारी साहब की द्वितीय पुण्यतिथि के उपलक्ष में ओमबन्ना बलीचा गांव में कच्ची बस्ती के लगभग 100 बच्चों को इस तपती दोपहरी में ठंडा पेय पिलाया व साथ ही बच्चों को बिस्किट, लड्डू, भोजन के पैकेट, चप्पलें व सन ग्लासेस वितरित किए गए।भोजन प्रसाद ग्रहण करने से पूर्व बच्चों को नवकार मंत्र व गायत्री मंत्र का उच्चारण करवाया गया। सेवा कार्य के तहत आज ही आप द्वारा बलीचा स्थित पशुपति कल्याण परिषद गौशाला में गायों को घास खिलाने हेतु चेक प्रदान किया गया। आप द्वारा सुभाष नगर स्थित मंदिर में चार दरियां भी भेंट की गई। पुष्पा जी को इस नेक सेवा कार्य करने हेतु ग्रुप की ओर से बहुत-बहुत साधुवाद दिया गया।

जैन मंदिरों में गूंजे भगवान शान्तिनाथ के जयकारे - 225 से अधिक दिगम्बर जैन मंदिरों में मनाये विश्व शांति प्रदायक जैन धर्म के सोलहवें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ के जन्म तप व मोक्ष कल्याणक महोत्सव -मंदिरों में जयकारों के बीच चढाया निर्वाण लाडू

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व शांति प्रदायक जैन धर्म के सोलहवें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ के तीन कल्याणक - जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक भक्ति भाव से मनाये गये । इस मौके पर शहर के 225 से भी अधिक दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये तथा मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढाया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार प्रातः शांतिनाथ भगवान के जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक किये गये ।तत्पश्चात विश्व में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए मंत्रोच्चार के साथ शांति धारा की गई । अष्ट द्रव्य से पूजा करते हुए पूजा के दौरान जन्म, तप कल्याणक के अर्घ्य चढाये गये। तत्पश्चात निर्वाणोत्सव मनाया गया जिसमें निर्वाण काण्ड भाषा के वाचन पश्चात मोक्ष कल्याणक का श्लोक "असित चौदश जेठ हनें अरी। गिरीसमेदथकी शिवतिय वरी। सकल इन्द्र जजैं तित आइकैं, हम जजैं इत मस्तक नाइकैं।।" का उच्चारण करते हुए अर्घ्य एवं निर्वाण लाडू चढाया गया। इस मौके पर मंदिर परिसर जयकारों से गुंजायमान हो उठे। भगवान शांतिनाथ की महाआरती के बाद

समापन हुआ। इस मौके पर कई मंदिरों में मण्डल पर संगीतमय श्री 1008 शांति नाथ पूजा विधान किये गये। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शांति नाथ जी की खोह में विनोद जैन कोटखावदा एवं कमल-मंजू वैद के नेतृत्व में प्रातः 8.30 बजे निर्वाण लाडू चढाया गया। इस मौके पर संदीप पापडीवाल, सुधीर चौधरी, पूनमचंद बैनाडा, आरती चौधरी,संजय छाबड़ा, नरेश बाकलीवाल, मुकेश पाटनी, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल हुए। तारों की कूट पर सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अध्यक्ष ईजी. नवीन जैन एवं मंत्री धनेश सेठी के नेतृत्व में निवाणोत्सव मनाया गया। इस मौके पर संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन 'कोटखावदा', चावल पर सूक्ष्म लेखन कलाकार निरु छाबड़ा, प्रमिला पाटनी सहित बड़ी संख्या में समाजश्रेष्ठी शामिल हुए। तत्पश्चात नीचे की वेदी के समक्ष मण्डल पर संगीतमय श्री 1008 शांति नाथ पूजा विधान किया गया। सुशील झांझरी,शिखर चन्द जैन एण्ड पार्टी ने भक्ति रस बरसाया। जैन ने बताया कि आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी,घी वालों का रास्ता

स्थित मंदिर जी ठोलियान, सांगानेर के दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, झोटवाड़ा के पटेलनगर स्थित श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर, लालकोठी के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, मनिहारो का रास्ता स्थित श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सहित कई मंदिरों में विशेष आयोजन हुए। जैन के मुताबिक गणिनी आर्यिका भरतेश्वरमति माताजी ससंघ के सानिध्य में कलवाडा मंदिर में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये जाकर निर्वाण लाडू चढ़ाया गया ।